ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 02 सितम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 130

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, पहली बार पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ऑपरेशन सिंदूर के कमांडर जीतेंद्र मिश्रा को कमान

24 न्यूज अपडेट

अयोध्या, 2 सितंबर। राम मंदिर निर्माण के बाद अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अपने प्रशासनिक ढांचे को नए सिरे से मजबूत करने की दिशा में बढ़ा है। ट्रस्ट ने पहली बार पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा की नियुक्ति की है। पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख रहते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य अभियानों की कमान संभाल चुके मिश्रा अब अयोध्या में मंदिर और उससे जुड़े विशाल प्रशासनिक तंत्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह फैसला ऐसे समय हुआ है, जब मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले के बाद ट्रस्ट के भीतर प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठे थे। इसी घटनाक्रम के बीच ट्रस्ट ने न केवल शीर्ष पदों में बदलाव किया है, बल्कि तीन नए सदस्यों को शामिल कर अपने ढांचे का भी विस्तार किया है। मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में आठ आरोपी जेल में हैं। जुलाई में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव की जिम्मेदारी दी गई थी।

5585 आवेदनों में से चुने गए मिश्रा

मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति सामान्य नामांकन के बजाय लंबी चयन प्रक्रिया के बाद हुई। पद के लिए 5,585 आवेदन आए थे। छंटनी के बाद 1,580 आवेदनों को उपयुक्त पाया गया और 108 उम्मीदवारों को आगे की प्रक्रिया के लिए चुना गया। इसके बाद बातचीत और व्यक्तिगत मुलाकातों के कई दौर चले। तीन सदस्यीय चयन समिति ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंपी, जिसके बाद जीतेंद्र मिश्रा के नाम पर मुहर लगी। मिश्रा अप्रैल 2026 में भारतीय वायुसेना के पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख पद से सेवानिवृत्त हुए। करीब चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी वायु कमान की कमान उनके पास थी। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। मिश्रा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले हैं। सैन्य क्षेत्र में बड़े अभियानों, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और विशाल स्तर के संचालन का उनका अनुभव अब राम मंदिर ट्रस्ट के प्रशासन में इस्तेमाल किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी के जिम्मे प्रशासनिक और परिचालन व्यवस्था के साथ संस्थागत ढांचे, वैधानिक अनुपालन और दीर्घकालीन योजनाओं को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी रहेगी।

गोविंद देव गिरि को महामंत्री, भागचंदका को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

ट्रस्ट ने शीर्ष पदों में एक और महत्वपूर्ण फेरबदल किया है। अब तक कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे स्वामी गोविंद देव गिरि को महामंत्री बनाया गया है। वहीं नए ट्रस्टी बनाए गए दिल्ली के महेश भागचंदका को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ट्रस्ट की नई व्यवस्था में मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासनिक कामकाज में महामंत्री को रिपोर्ट करेंगे।

तीन नए चेहरे, पहली बार महिला ट्रस्टी

ट्रस्ट में तीन नए सदस्यों को भी शामिल किया गया है। इनमें अयोध्या के वरिष्ठ अधिवक्ता मदन मोहन पांडेय, दिल्ली के कारोबारी महेश भागचंदका और निर्मला यादव शामिल हैं। निर्मला यादव ट्रस्ट की पहली महिला ट्रस्टी बनी हैं। मदन मोहन पांडेय राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में रामलला की ओर से पैरवी करने वाली कानूनी टीम से जुड़े रहे हैं और इलाहाबाद हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस मामले की कानूनी प्रक्रिया में उनकी भूमिका रही है। महेश भागचंदका का संबंध राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे अशोक सिंघल के परिवार से है। वह अशोक सिंघल फाउंडेशन से जुड़े हैं और 2020 के राम मंदिर भूमि पूजन तथा 22 जनवरी 2024 के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य यजमानों में शामिल रहे थे। निर्मला यादव मूल रूप से एटा की रहने वाली हैं और शिकोहाबाद के उरावर के जमींदार परिवार में उनका विवाह हुआ। उनके पति हरेंद्र सिंह यादव भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे हैं। निर्मला यादव फिरोजाबाद के महात्मा गांधी महाविद्यालय में प्राचार्य भी रह चुकी हैं और 2021 में सेवानिवृत्त हुईं।

दान विवाद के बाद बदला ट्रस्ट का

प्रशासनिक मॉडल ट्रस्ट में यह पूरा बदलाव मंदिर के प्रशासन को अधिक पेशेवर और जवाबदेह बनाने की प्रक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति के साथ पहली बार मंदिर ट्रस्ट के रोजमर्रा के विशाल प्रशासनिक संचालन के लिए पूर्णकालिक पेशेवर व्यवस्था बनाई गई है। खास बात यह है कि चयन प्रक्रिया में हजारों आवेदनों से गुजरकर एक पूर्व सैन्य कमांडर को जिम्मेदारी दी गई है।

सीजेपी के विरोध वाला जर्जर स्कूल का भवन ढहाया

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। बगरू विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा गांव में लंबे समय से जर्जर हालत में खड़े सरकारी स्कूल भवन को बुधवार सुबह धराशायी कर दिया गया। पुरानी इमारत हटने के साथ ही विद्यालय के नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई। सरकार ने स्कूल के नवनिर्माण के लिए करीब 18 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले जर्जर भवन को गिराया गया, जिसके बाद मौके पर नए भवन के निर्माण की तैयारियां शुरू कर दी गईं। ग्रामीणों और विद्यालय से जुड़े लोगों के लिए लंबे समय से खराब हालत में खड़ी इमारत बड़ी चिंता का विषय बनी हुई थी। 21 अगस्त को हुआ था विरोध प्रदर्शन रामपुरा का यही सरकारी स्कूल 21 अगस्त को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के कारण भी चर्चा में आया था। संगठन की ओर से विद्यालय की जर्जर स्थिति को लेकर विरोध जताते हुए स्कूल भवन के पुनर्निर्माण की मांग उठाई गई थी। अब सरकार से राशि मंजूर होने के बाद पुराने भवन को हटाकर निर्माण शुरू किए जाने से विद्यालय के नए स्वरूप में तैयार होने का रास्ता साफ हो गया है। नए भवन के निर्माण के बाद विद्यार्थियों को बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिलने की उम्मीद है।

राज्यों को जिला और राज्य उपभोक्ता आयोगों में खाली पदों के बारे में स्थिति रिपोर्ट पेश करने का आदेश

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चेतावनी दी कि सिर्फ बदलाव की प्रक्रिया के कारण कोई भी ट्रिब्यूनल काम करना बंद नहीं करना चाहिए. कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे जिला और राज्य उपभोक्ता आयोगों में खाली पड़े पदों के बारे में तीन हफ़्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें.

यह मामला सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ के सामने आया. सुनवाई के दौरान, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (NCDRC) के अध्यक्ष ने उपभोक्ता आयोग में खाली पदों और लंबित मामलों पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है.

पीठ ने कहा कि एनसीडीआरसी के अध्यक्ष द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है. अटॉर्नी जनरल ने सुझाव दिया कि पुराने कानून के तहत शुरू हुई चयन प्रक्रियाओं को नए कानून में तय शर्तों और नियमों के आधार पर पूरा किया जा सकता है.

पीठ ने कहा, "सिर्फ बदलाव की प्रक्रिया के कारण कोई ट्रिब्यूनल काम करना बंद नहीं करना चाहिए..." अकेले एनसीडीआरसी में ही 16,000 से ज़्यादा मामले लंबित हैं. अटॉर्नी जनरल ने एक-सदस्यीय पीठ के सीमित इस्तेमाल की ओर इशारा किया. पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में हालात अलग-अलग हैं. पीठ ने निर्देश दिया कि वे स्टेटस रिपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी हासिल करें और उसे दो दिनों के भीतर सभी राज्यों की ओर से पेश होने वाले वकीलों को सीधे उपलब्ध कराएं.

पीठ ने कहा, "सभी राज्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे तीन हफ़्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट पर अपना जवाब दें." पीठ ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी निर्देश दिया कि वे आयोग के सदस्यों के वेतन और भत्तों के बारे में पहले दिए गए आदेश का पालन करने की जानकारी दें.

इस मामले पर 8 सितंबर को फिर से विचार किए जाने की संभावना है. पीठ देश भर के उपभोक्ता आयोग में खाली पदों, स्टाफ की कमी और बढ़ते पेंडिंग मामलों की जांच के लिए खुद से शुरू किए गए एक मामले की सुनवाई कर रही थी.

सोना-चांदी फिर हुए सस्ते: 2 दिन में सोना 4,500 और चांदी 9 हजार तक टूटी, आज सोने में 1,855 की गिरावट

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 2 सितंबर। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने का भाव 10 ग्राम पर 1,855 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए रह गया। वहीं चांदी की कीमत भी 2,059 रुपए प्रति किलो कम होकर 2.28 लाख रुपए पर आ गई। पिछले दो दिनों में ही सोने की कीमत करीब 4,500 रुपए और चांदी करीब 9 हजार रुपए तक नीचे आ चुकी है। इससे पहले मंगलवार को सोना 2,652 रुपए और चांदी 6,780 रुपए सस्ती हुई थी।

जनवरी के उच्चतम स्तर से सोना 24 हजार नीचे

इस साल सोने की कीमतों में बड़ा उतार-चढ़ाव रहा है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना करीब 1.33 लाख रुपए था। 29 जनवरी को यह बढ़कर 1.76 लाख रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद इसमें लगातार गिरावट देखने को मिली और अब यह उच्चतम स्तर से करीब 24 हजार रुपए नीचे है। चांदी भी जनवरी में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी का भाव 2.28 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 3.86 लाख रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अब यह रिकॉर्ड स्तर से करीब 1.58 लाख रुपए नीचे आ चुकी है। एक ही दिन अलग-अलग शहरों में सोने की कीमत समान नहीं होती। इसके पीछे परिवहन और सुरक्षा खर्च, स्थानीय मांग और खरीद की मात्रा, स्थानीय सराफा संगठनों द्वारा तय दर तथा ज्वेलर्स के पुराने स्टॉक की खरीद कीमत जैसे कारण होते हैं। दक्षिण भारत में सोने की खपत अधिक होने के कारण वहां मांग का भी कीमतों पर असर पड़ता है।

ED ने राजस्थान, MP, यूपी और बंगाल समेत 14 जगहों पर छापेमारी की

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता: प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के प्लाजा पर टोल कलेक्शन में कथित धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में 14 जगहों पर तलाशी शुरू की.

ईडी के लखनऊ जोनल ऑफिस ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत तलाशी शुरू की. ईडी की छापेमारी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) और कोलकाता में फैली हुई थी.

केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग की जांच 22 जनवरी, 2025 को दर्ज एक FIR और 19 मई, 2025 की एक एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (ECIR) के बाद की गई है.

ED के मुताबिक, उसकी जांच में एक कथित सिस्टम का पता चला है जिसमें टोल प्लाजा पर स्वीकृत प्रणाली (Approved System) के बाहर रसीदें बनाने के लिए अनधिकृत सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का इस्तेमाल किया गया था. एजेंसी यह जांच कर रही है कि क्या इन ट्रांजैक्शन से हुए कलेक्शन को बाद में NHAI के ऑफिशियल अकाउंट में दिखाए बिना कहीं और भेज दिया गया था.

एजेंसी ने कहा कि उसके नतीजों को फोरेंसिक विश्लेषण (Forensic Analysis) के साथ-साथ NHAI से मिले रिकॉर्ड से भी समर्थन मिला है. ED के मुताबिक, अब तक जांचे गए दस्तावेजों से पता चलता है कि कथित गड़बड़ियों में ऐसे अनधिकृत एप्लीकेशन का इस्तेमाल किया गया है.

अधिकारियों ने बताया कि ED इस कथित धन के डायवर्जन के फायदों और अपराध से मिली संदिग्ध कमाई की गतिविधि की जांच कर रही है. एजेंसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, वित्तीय रिकॉर्ड, ट्रांजैक्शन डिटेल्स, सॉफ्टवेयर से जुड़े सबूत और अन्य डॉक्यूमेंट्स ढूंढ रही है, जिनसे मनी ट्रेल (धन के मार्ग) और स्कीम से कथित तौर पर जुड़े लोगों या कंपनियों की भूमिका का पता लगाने में मदद मिल सके.

नई छापेमारी पूरे मनी ट्रेल का पता लगाने और उन लोगों की पहचान करने पर फोकस है जिन्हें टोल कलेक्शन के कथित डायवर्जन से फायदा हुआ हो सकता है. ED इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य डॉक्यूमेंट्स की भी तलाश कर रही है जिससे इस डायवर्जन के बारे में जानकारी मिल सकती है.

केंद्रीय जांच एजेंसी टोल कलेक्शन सिस्टम से कथित तौर पर जुड़े अलग-अलग लोगों और कंपनियों की भूमिका की भी जांच कर रही है और संदिग्ध लेन-देन का पता लगाने की कोशिश कर रही है.

पुणे में दो भाइयों ने बीच सड़क माता-पिता को पीटा:राहगीरों ने बचाया, जमीन का सौदा करने की बात से नाराज थे बेटे

24 न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र के पुणे जिले में जमीन बेचने से नाराज दो भाइयों ने अपने बुजुर्ग माता-पिता को सरेआम सड़क पर लाठी-डंडों से पीटा। राहगीरों ने दंपत्ती को बेटों से बचाया। घटना 30 अगस्त के शाम की है। लेकिन, घटना का वीडियो अब सामने आया है।

पुणे पुलिस के मुताबिक, इंदापुर में रहने वाले 65 साल के किसान तुकाराम राउत ने 30 अगस्त की शाम शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में उन्होंने कहा- वह और उनकी बीमार पत्नी टहलने के लिए निकले थे, तभी उनके दोनों बेटे कार से वहां पहुंचे। दोनों ने अपनी मां अंजना के नाम पर मौजूद जमीन बेचने को लेकर सवाल-जवाब किया और इसके बाद डंडे से पिटाई की। हमले में तुकाराम राउत की पीठ, चेहरे, जांघ और कंधे पर चोटें आईं, जबकि उनकी पत्नी के हाथ की कलाई और कमर में चोट लगी। मौके पर जुटे स्थानीय लोगों और राहगीरों ने दोनों को बचाया और इलाज के लिए इंदापुर उप-जिला अस्पताल भिजवाया।

संपादकीय : शांति का संदेश

युद्ध मानव सभ्यता की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है । इतिहास गवाह है कि किसी भी युद्ध ने समस्याओं का स्थायी समाधान करने के बजाय नई जटिलताओं को जन्म दिया है। अपनी जीत का डंका बजाने वाला देश भी वास्तव में बहुत कुछ खो देता है। युद्ध के परिणाम जान-माल की भारी क्षति, आर्थिक बर्बादी, विस्थापन और सामाजिक अस्थिरता के रूप में सामने आते हैं। यह केवल दो देशों या दो पक्षों के बीच सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर सीमाओं को पार कर अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करता है। रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष इसके उदाहरण हैं। इनसे बनी परिस्थितियों से पता चलता है कि आज की परस्पर जुड़ी हुई वैश्विक व्यवस्था में किसी एक क्षेत्र की अस्थिरता का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। भारत हमेशा वैश्विक शांति का समर्थक रहा है और युद्ध के बजाय महात्मा बुद्ध के मार्ग पर चलने का संदेश देता रहा है। इसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतहीन युद्ध के बजाय इसके अंत की ओर बढ़ने की वकालत की। गौरतलब है कि पिछले करीब साढ़े चार वर्षों से जारी रूस यूक्रेन बुद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर पड़ा है। रूस दुनिया के प्रमुख तेल, गैस और उर्वरक उत्पादक देशों में से एक है, जबकि यूक्रेन गेहूं, मक्का और सूरजमुखी जैसे कृषि उत्पादों का महत्त्वपूर्ण निर्यातक रहा है। मगर युद्ध के कारण इन वस्तुओं का उत्पादन, परिवहन और निर्यात प्रभावित हो रहा है। काला सागर के रास्ते अनाज की आपूर्ति में रुकावट ने कई देशों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। यह क्षेत्र ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्त्वपूर्ण है। होर्मुज जलमार्ग को बंद किए जाने से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे भारत समेत कई देशों को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है। संघर्ष के इन मोर्चों से समुद्री मार्गों में जोखिम बड़ा है और जहाजों के लंबे वैकल्पिक रास्ते अपनाने से माल ढुलाई की लागत भी बढ़ी है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि युद्धकाल का हर दिन मानवता को पीछे ले जाता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम नई आशा, उत्साह और समाधान की ओर ले जाता है। प्रधानमंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत अपनी ओर से रूस- यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों को समाप्त करने के लिए हर संभव एवं जरूरी कदम उठाने को तैयार है, क्योंकि इसका वैश्विक समुदाय पर बहुत गहरा असर पड़ रहा है। इन संघर्षों के बहुआयामी प्रभाव पर नजर डालें, तो इनसे विश्व की भू-राजनीति में भी हलचल पैदा हुई है। अमेरिका, यूरोप, रूस, चीन और पश्चिम एशिया के देशों के बीच संबंधों में नए समीकरण बन रहे हैं। हालांकि, भारत ने रूस और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखा है तथा वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप विदेश नीति तय करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज विश्व समुदाय के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और सहयोग को मजबूत करने की है।

जानलेवा पाठ

इस संबंध में दुनिया भर में न जाने कितने सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों को किसी भी रूप में प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए। देश में सभी शिक्षक इसके लिए न केवल शैक्षिक दायित्व के मुताबिक, बल्कि कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि कुछ शिक्षकों को बच्चे की किसी गलती का समाधान सिर्फ उन्हें अलग-अलग तरह से दंडित या प्रताड़ित करने में ही क्यों नजर आता है। दिल्ली के विनोद नगर इलाके में एक सरकारी स्कूल में ग्यारह साल की बच्ची का कसूर सिर्फ इतना था कि वह अपनी कक्षा की किताबें ले जाना भूल गई थी। सिर्फ इसलिए शिक्षिका ने उसे कक्षा में पीछे हाथ ऊपर कर खड़े होने की सजा दे दी। इससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान कुछ दिन बाद मौत हो गई। हाल ही में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भी एक छह वर्षीय बच्चे को होमवर्क न कर पाने पर शिक्षिका ने पीटा और उसके बाद उसकी मौत हो गई। मंगलवार को हरियाणा के फरीदाबाद में सिर्फ बिरयानी खाने के सवाल पर एक छात्रा को चार घंटे तक खड़ा रहने की सजा दी गई। खबरों के मुताबिक, इससे आहत होकर उसने स्कूल की छत से कूद कर जान दे दी। सवाल है कि कई स्तर पर प्रशिक्षण हासिल कर शिक्षक बनने के बावजूद यह समझना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को अगर किसी बात पर दंडित किया जाता है, तो उसके कोमल मन-मस्तिष्क पर कैसा असर पड़ता है। शिक्षण के नियम-कायदों से लेकर शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देश इस मामले में बिल्कुल स्पष्ट हैं हैरानी की बात है कि कुछ शिक्षक इन नैतिक और कानूनी तकाजों को ताक पर रख कर स्कूल परिसर में भी अपनी विचित्र कुंठाओं से संचालित होते हैं और बच्चों को अलग-अलग तरीके से प्रताड़ित करते हैं। जबकि कुछ बच्चे ऐसे हो सकते हैं, जिन पर कक्षा में प्रताड़ित किए जाने का घातक असर पड़े। अगर एक शिक्षक को स्कूल में किसी बच्चे की चूक में सुधार की जरूरत महसूस होती है और इसके लिए वह उसे दंडित करना ही एकमात्र उपाय मानता है, तो क्या यह उसके व्यक्तित्व विवेक, प्रशिक्षण और जिम्मेदारी में कमी का सूचक नहीं है?

भाजपा का नगरीय विकास संकल्प पत्र जारी, हर वार्ड को बनाया विकास का आधार; 24 घंटे घरेलू बिजली का वादा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में आगामी निकाय चुनावों को लेकर भाजपा ने बुधवार को अपना 'नगरीय विकास संकल्प पत्र जारी कर दिया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संकल्प पत्र का विमोचन किया गया। पार्टी ने अगले पांच वर्षों में शहरों के विकास को नई दिशा देने के साथ प्रत्येक वार्ड को विकास की मूल इकाई बनाने का संकल्प जताया है। भाजपा ने कहा कि प्रत्येक निकाय में वार्ड को विकास का आधार मानते हुए शहरों का चहुंमुखी विकास किया जाएगा। पेयजल से प्रभावित निकायों में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर करने और घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का वादा भी संकल्प पत्र में किया गया है।

मुख्यमंत्री बोले- घोषणा नहीं, काम करने का संकल्प

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा कि भाजपा ने इसे सामान्य घोषणा पत्र के बजाय 'नगरीय विकास संकल्प पत्र' नाम दिया है। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र केवल घोषणा करने के लिए होता है, जबकि संकल्प पत्र काम करने के लिए होता है। इसी सोच के साथ सरकार आगामी पांच वर्षों में शहरों के विकास को लेकर राजस्थान की जनता के सामने अपना विजन लेकर आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विधानसभा में 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' की बात कही थी। उस समय कांग्रेस के एक बड़े नेता ने टिप्पणी की थी कि यह काम उनके काका भी नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि अब वह खुद देख लें कि प्रदेश में 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' कौन से काका जी करवा रहे हैं।

मदन राठौड़ बोले- भाजपा जो कहती है, करके दिखाती है

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जनता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गारंटी पर विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने शहरी निकायों के लिए संकल्प पत्र जारी किया है और इसे पूरा करने के लिए भाजपा पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राठौड़ ने कहा कि पिछली सरकारों ने अपने पांच साल के कार्यकाल में जितना काम किया, उससे अधिक काम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो साल में करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने क्या कहा और क्या किया तथा भाजपा ने क्या वादे किए और उनमें से क्या पूरा किया, इसका आकलन जनता स्वयं कर रही है।

13 सदस्यीय समिति ने 30 दिन में तैयार किया संकल्प पत्र

भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए संकल्प पत्र तैयार करने की प्रक्रिया 2 अगस्त से शुरू की थी। पार्टी ने इसी दिन चुनाव घोषणा पत्र समिति का गठन किया था। समिति में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, राजेंद्र कुमार गहलोत, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता और पूर्व महापौर सौम्या गुर्जर सहित कुल 13 सदस्यों को शामिल किया गया था।

बीकानेर में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष से मारपीट, टिकट नहीं मिलने पर कार्यकर्ताओं ने चांटे-मुक्के मारे

24 न्यूज अपडेट

बीकानेर। वार्ड 50 से कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में बुधवार को पार्टी के भीतर टिकट वितरण को लेकर विवाद सामने आ गया। बीकानेर शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी मदन गोपाल मेघवाल के साथ कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने मारपीट कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक मेघवाल को घेरकर उनके साथ हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। मेघवाल के अनुसार वह वार्ड 50 से कांग्रेस प्रत्याशी नवरतन डागा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता मोहित अरोड़ा अपने तीन साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि चारों ने पहले माला पहनाने और स्वागत करने के बहाने मेघवाल को बाहर बुलाया। इसके बाद मोहित ने उससे टिकट नहीं मिलने को लेकर सवाल किया और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया।

स्वागत के बहाने बाहर बुलाया, फिर किया हमला

मेघवाल ने बताया कि मोहित अरोड़ा पिछले दो दिनों से उनके आसपास घूम रहा था और वार्ड 50 से कांग्रेस का टिकट मांग रहा था। मंगलवार को भी वह पार्टी कार्यालय आया था। उस दौरान उन्होंने दुपट्टा पहनाकर उसका स्वागत किया था। बुधवार को मोहित अपने कुछ साथियों के साथ वार्ड कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचा। मेघवाल के मुताबिक वह पीछे खड़ा होकर कांग्रेस के समर्थन में नारे भी लगा रहा था। कार्यक्रम के दौरान उन्हें बाहर बुलाया गया। पहले मुंह मीठा कराया गया और फिर मोहित ने सवाल किया कि उसे टिकट क्यों नहीं दिया गया। मेघवाल ने बताया कि उन्होंने जवाब दिया कि पार्टी से कई लोग टिकट मांगते हैं, लेकिन टिकट एक ही व्यक्ति को दिया जा सकता है। उनका इतना कहना था कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

चांटे और पीठ पर मुक्के मारने का आरोप

घटना के दौरान युवकों ने मेघवाल को घेर लिया और उनके साथ हाथापाई की। आरोप है कि उन्हें चांटे मारे गए और पीठ पर मुक्के बरसाए गए। मौके पर शोर बढ़ने और अन्य लोगों के पहुंचने पर चारों युवक वहां से भाग निकले। घटना के बाद मेघवाल ने आरोप लगाया कि मारपीट करने वाले कांग्रेस के ही कार्यकर्ता थे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने गलत लोगों को टिकट नहीं देकर सही निर्णय किया है और इस घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि पार्टी गुंडागर्दी करने वालों को टिकट नहीं देती।

वार्ड 23 में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज, घोघरा बोले- पार्टी स्तर पर हुई बड़ी चूक

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने भाजपा और भारतीय आदिवासी पार्टी (BAP) पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनने का दावा किया। वहीं नगर परिषद के वार्ड 23 से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश कटारा का नामांकन खारिज होने को उन्होंने पार्टी की बड़ी चूक माना। घोघरा ने कहा कि प्रत्याशी ने आपराधिक मामलों की जानकारी पार्टी से छिपाई थी। कांग्रेस की ओर से सभी प्रत्याशियों को नो-ड्यूज तथा थानों से चरित्र प्रमाण पत्र लेने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद संबंधित जानकारी समय पर सामने नहीं आ सकी। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रभारियों के स्तर पर कहीं न कहीं गलती हुई, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। घोघरा ने BAP के पार्षदों पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले चुनाव में BAP के पार्षद जीतकर आए, लेकिन जीत के बाद अपने वार्डों में नजर नहीं आए और विकास कार्य नहीं कराए। उन्होंने कहा कि जनता अब इन बातों को समझ चुकी है और इस बार कांग्रेस को मजबूत समर्थन मिलेगा।

अजमेर-चंदेरिया रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य, कई ट्रेनें प्रभावित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अजमेर मंडल के अजमेर-चंदेरिया रेलखंड पर झड़वासा-बांदनवाड़ा और सिंगावल के बीच दोहरीकरण कार्य के लिए नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके चलते अक्टूबर में रेल यातायात प्रभावित रहेगा। 8 अक्टूबर को 19606 उदयपुर सिटी-मदार रेलसेवा रद्द रहेगी, जबकि 9 से 11 अक्टूबर तक यह ट्रेन उदयपुर से अजमेर तक ही चलेगी और अजमेर-मदार के बीच रद्द रहेगी। इसी अवधि में 12992 जयपुर-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस राणाप्रतापनगर तक ही संचालित होगी। 17605 काचीगुड़ा-भगत की कोठी 2 और 5 अक्टूबर को रतलाम-कोटा-सवाईमाधोपुर-जयपुर-फुलेरा होकर चलेगी और कोटा, सवाईमाधोपुर, जयपुर, डेगाना व जोधपुर में ठहरेगी। 14801 जोधपुर-इंदौर 9 से 11 अक्टूबर तक अजमेर-जयपुर-सवाईमाधोपुर-कोटा-रतलाम होकर चलेगी तथा किशनगढ़, जयपुर, सवाईमाधोपुर, कोटा, नागदा व रतलाम में ठहराव होगा। 12996 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस 10 अक्टूबर को आबूरोड-पालनपुर-साबरमती-वडोदरा होकर चलेगी और ब्यावर, मारवाड़ जंक्शन, फालना, आबूरोड, पालनपुर व साबरमती में रुकेगी। इसके अलावा 12992 जयपुर से 9 से 11 अक्टूबर तक 2 घंटे, 19606 उदयपुर से 1 घंटा 30 मिनट की देरी से रवाना होगी। 20995 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस 10 अक्टूबर को 1 घंटे और 17080 जयपुर-हैदराबाद 11 अक्टूबर को 1 घंटे देरी से चलेगी। 19609 उदयपुर सिटी-योगनगरी ऋषिकेश 10 अक्टूबर को भीलवाड़ा-मोखमपुरा के बीच 40 मिनट नियंत्रित रहेगी।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 02 सितम्बर। जिले में 3, 4 एवं 5 सितम्बर को जन्माष्टमी एवं दधिका महोत्सव (मटकी फोड) के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला मजिस्ट्रेट श्री गौरव अग्रवाल ने एक आदेश जारी कर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु तहसीलदार बड़गांव हितेश त्रिवेदी को 3 सितंबर को सुभाष चौक, मल्लातलाई, तहसीलदार उदयपुर विकास प्राधिकरण विजय कुमार रैगर को 4 सितंबर को जैन मंदिर चौराहा, सेक्टर-4, हिरणमगरी और तहसीलदार गिर्वा गणेश कुमार विजयवर्गीय को 5 सितंबर को जगदीश चौक पर कृष्ण दधिकोत्सव कार्यक्रम हेतु कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इसके अलावा गिर्वा, बड़गांव, गोगुंदा, झाड़ोल, कोटड़ा, खेरवाड़ा, ऋषभदेव, मावली, वल्लभनगर एवं भींडर उपखण्ड मजिस्ट्रेट भी अपने-अपने उपखण्ड क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

सुखा दिवस घोषित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 2 सितम्बर। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव- 2026 के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान एवं मतगणना दिवस को लेकर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सुखा दिवस घोषित किए गए हैं। आबकारी विभाग के संयुक्त शासन सचिव वरूण मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रदेश में पहले चरण का मतदान 9 सितंबर 2026 को होगा। इसके लिए मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व यानी 7 सितंबर 2026 शाम 6 बजे से लेकर 9 सितंबर 2026 शाम 6 बजे तक सुखा दिवस रहेगा। इसी प्रकार दूसरे चरण का मतदान 11 सितम्बर को होगा। इसके तहत 9 सितंबर 2026 शाम 6 बजे से लेकर 11 सितंबर 2026 शाम 6 बजे तक शराब की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसी क्रम में मतगणना दिवस 14 सितंबर को भी राज्य के संबंधित क्षेत्रों में पूर्ण सुखा दिवस रहेगा।

पंचवटी में दिनदहाड़े फायरिंग के 7 घंटे बाद कोटड़ा के जंगलों में पकड़े गए दो आरोपी, भागने की कोशिश में दोनों के पैर टूटे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पंचवटी हेरिटेज लोक मरुधर मंडल के बाहर दिनदहाड़े फायरिंग की घटना के बाद उदयपुर पुलिस ने महज सात घंटे में दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों का करीब 120 किलोमीटर तक पीछा किया और कोटड़ा के घने जंगलों में नाकाबंदी कर उन्हें दबोचा। पुलिस के अनुसार उदयपुर लाते समय दोनों आरोपियों ने हिरासत से भागने का प्रयास किया और हाईवे किनारे खाई में कूद गए। पथरीली जमीन पर गिरने से दोनों के पैर टूट गए। उन्हें उपचार के लिए एमबीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शादाब खान उर्फ अली गाइड, उम्र 30 वर्ष, निवासी लाल मगरी, अंबामाता, उदयपुर और मोहम्मद अरशद उर्फ बाटी, उम्र 28 वर्ष, निवासी अहमद हुसैन कॉलोनी, अंबामाता, उदयपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शादाब खान के खिलाफ मारपीट और हथियार अधिनियम सहित करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद अरशद के खिलाफ जानलेवा हमला और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े दो मामले दर्ज बताए गए हैं।

गाइडिंग के कमीशन को लेकर चल रही थी रंजिश

पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के पीछे पर्यटकों से मिलने वाले कमीशन और कथित अवैध गाइडिंग को लेकर पुरानी रंजिश थी। शिकायतकर्ता सायरा बानो के अनुसार 31 अगस्त को शादाब खान उर्फ अली गाइड और घायल इरफान खान के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके अगले ही दिन 1 सितंबर को दोपहर करीब 2:30 से 3 बजे के बीच इरफान अपने भाई मोसीन के साथ पंचवटी स्थित यूआईटी पुलिया के पास खड़ा था। इसी दौरान शादाब उर्फ अली गाइड और मोहम्मद अरशद स्कूटी से वहां पहुंचे। आरोप है कि शादाब ने कमर से देसी पिस्टल निकालकर इरफान पर दो राउंड फायर किए। इनमें से एक गोली इरफान के दाहिने कंधे में लगी। फायरिंग के बाद दोनों आरोपी स्कूटी से मौके से फरार हो गए। घायल इरफान को तत्काल एमबीएच अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार इरफान भी घंटाघर थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ 14 मामले दर्ज हैं।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम

कार्रवाई में राजेश यादव, वृत्ताधिकारी नगर पश्चिम, भरत योगी, पुलिस निरीक्षक एवं डीएसटी प्रभारी, प्रभुलाल, थानाधिकारी कोटड़ा, विक्रम सिंड, अखिलेश्वर सिंह और करतार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक डीएसटी, हेड कांस्टेबल कमलेश, कांस्टेबल हितेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह, मुकेश, सुमित और कृष्ण शामिल रहे। इसके अलावा कोटड़ा थाना टीम से कांस्टेबल लालाराम, पंकज कुमार और सुरेन्द्र तथा साइबर सेल से हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह और कांस्टेबल लोकेश रायकवाल ने कार्रवाई में सहयोग किया।

किस्तों की रकम हड़पी, बैंक ने अहमदाबाद में जब्त कर ली कार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बड़गांव थाना पुलिस ने वाहन की किस्तों की रकम में धोखाधड़ी करने के मामले में नागौर निवासी एक आरोपी को नामजद किया है। आरोपी पर आरोप है कि वाहन खरीदार से किस्त जमा कराने के लिए ली गई रकम बैंक में जमा कराने के बजाय अपने उपयोग में ले ली। किस्तें जमा नहीं होने पर बैंक ने वाहन को अहमदाबाद में जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार थूर निवासी दिलीप वैष्णव ने शिकायत में बताया कि उसने आरोपी से वाहन खरीदा था। वाहन की कुछ किस्तें बकाया थीं। इन किस्तों को जमा कराने के लिए प्रार्थी ने आरोपी के खाते में रकम जमा करवाई थी। आरोप है कि आरोपी ने यह राशि बैंक में जमा नहीं करवाई और अपने निजी उपयोग में ले ली। किस्तों का भुगतान नहीं होने के कारण बैंक ने प्रार्थी के वाहन को अहमदाबाद में जब्त कर लिया। इसके बाद दिलीप वैष्णव ने बड़गांव थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दी। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकाश बिश्नोई पुत्र हड़मान राम निवासी वीर तेजा कॉलोनी, नागौर, तहसील एवं जिला नागौर आरोपी है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक सोहन सिंह कर रहे हैं।

सेवाश्रम पुलिया के पास अधिवक्ता से मारपीट, कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र में सेवाश्रम पुलिया के पास एक अधिवक्ता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों सहित उनके साथ आए अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एडवोकेट हीरालाल पुत्र चुन्नीलाल अहीर, निवासी खोखरवास, भटेवर की ओर से रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि प्रिंस सरदार, संजय सुथार, कैलाश गुर्जर, भावेश खोईवाल, कार्तिक एवं काव्य सिंघल सहित अन्य साथ आए लोगों ने उनके साथ मारपीट की। घटना सेवाश्रम पुलिया के पास इंडेन गैस एजेंसी के नजदीक होने की बताई गई है। मामले में भूपालपुरा थाना पुलिस ने बीएनएस की धाराओं 61(2), 109, 117, 138, 126, 140(1), 189, 190, 191, 332, 333 एवं 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रकरण में सउनि भगवतीलाल जांच कर रहे हैं।

साइबर ठगी में बुजुर्ग के खाते से 1.11 लाख रुपए निकाले

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में 66 वर्षीय व्यक्ति के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। अज्ञात आरोपी ने कथित रूप से षड्यंत्रपूर्वक फ्रॉड कर पीड़ित के बैंक खाते से 1 लाख 11 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार सुखलाल पालीवाल (66) पुत्र किशनलाल पालीवाल, निवासी 9बी, वर्धमान नगर, उत्तरी सुंदरवास, थाना प्रतापनगर, उदयपुर ने साइबर क्राइम कंट्रोल पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर शून्य एफआईआर दर्ज कर मामला प्रतापनगर थाने को भेजा गया। रिपोर्ट में बताया गया कि अज्ञात आरोपी ने धोखाधड़ी कर उनके खाते से 1,11,000 रुपए की राशि निकाल ली। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सउनि भगवत सिंह कर रहे हैं।

कोर्ट परिसर में फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचित प्रार्थना पत्र पेश करने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र स्थित न्यायालय परिसर में फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर पत्रावली प्राप्त करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एडवोकेट जयन्त शर्मा पुत्र आनन्दीलाल शर्मा, निवासी सवीना वाटिका के पीछे, थाना सविना, उदयपुर ने रिपोर्ट दी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर प्रतिलिपि प्रार्थना पत्र को कूटरचित तरीके से तैयार किया और न्यायालय में प्रस्तुत कर पत्रावली प्राप्त कर ली। घटना 15 जून को उदयपुर न्यायालय परिसर में होने की बताई गई है। मामले में भूपालपुरा थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 336(2), 338 एवं 340(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने दस्तावेजों की जांच के साथ आरोपी की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। मामले की जांच सउनि खुमाण सिंह कर रहे हैं।

नशीला पदार्थ खिलाकर गलत कार्य करने का आरोप, आरोपी ने दी धमकी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने शिवपाल सिंह के खिलाफ नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ गलत कार्य करने और घटना किसी को बताने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मीना कुमारी की ओर से दर्ज रिपोर्ट में बताया गया कि 24 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे मेगा आवास क्षेत्र में आरोपी शिवपाल सिंह ने उसे नशीला पदार्थ का सेवन कराया। इसके बाद उसके साथ गलत कार्य किया तथा घटना के बारे में किसी को बताने पर डराने-धमकाने का आरोप है। महिला की रिपोर्ट पर प्रतापनगर थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 64(1), 126(2) एवं 115(2) के तहत शिवपाल सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सुश्री मीना कुमारी, उप निरीक्षक द्वारा की जा रही है।

जमानत में गलत दस्तावेज पेश करने का आरोप, वसीम खान के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना पुलिस ने न्यायालय में वारंटी की जमानत के दौरान कथित रूप से गलत दस्तावेज पेश करने के मामले में वसीम खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार श्रवण स्वामी (29) पुत्र नन्दलाल स्वामी, निवासी वार्ड नंबर 4, नावा सिटी, जिला कुचामन-डीडवाना, हाल लिपिक ग्रेड द्वितीय, एनआई एक्ट कोर्ट क्रम संख्या 3, उदयपुर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। रिपोर्ट में आरोप है कि वसीम खान ने वारंटी की जमानत के समय गलत दस्तावेज पेश किए। इस संबंध में भूपालपुरा थाने में बीएनएस की धारा 318(4), 336(3), 340(2) एवं 319(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

साइकिल चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र के कोर्ट चौराहे पर पीडब्ल्यूडी गैंग हट के बाहर खड़ी बाइक अज्ञात बदमाश चुराकर ले गया। घटना को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पवन कुमार (37) पुत्र रामअवतार जांगिड़, निवासी टेकरी, थाना सूरजपोल, उदयपुर ने रिपोर्ट दी कि उसने अपनी बाइक आरजे 27 बीएस 1279 को कोर्ट चौराहे पर पीडब्ल्यूडी गैंग हट के बाहर खड़ा किया था। 23 अगस्त की रात करीब 8 बजे बाइक खड़ी करने के बाद वह वहां से चला गया। वापस लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चलने पर पवन कुमार ने भूपालपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बाइक की तलाश के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर 73 लाख की ठगी, META WEALTH से जुड़े लोगों पर मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र में ऑनलाइन निवेश के नाम पर 73 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने META WEALTH से जुड़े लोगों सहित पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हितेश कुमार धर्मेन्द्र भाई, निवासी कलोरा कॉम्पलेक्स, वाइज अहमदाबाद, गुजरात, हाल 96 पीकॉक हिल्स, लवकुश नगर, उदयपुर ने न्यायालय के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया कि दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच आरोपियों ने ऑनलाइन निवेश के नाम पर उनसे करीब 73 लाख रुपए निवेश कराए और बाद में धोखाधड़ी कर ली। मामले में नामजद आरोपियों में मनोज पटेल (डायरेक्टर, META WEALTH), लोकेश रुपावत उर्फ भगवान लाल भट्ट (पार्टनर), सरोज, बजरंग शर्मा (कंपनी का एशिया हेड) और जेम्स (मनोज पटेल का बॉडीगार्ड) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(2), 318(4), 336(2), 337, 61(2)(क) तथा आईटी एक्ट की धारा 66सी एवं 66डी के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मामले में ऑनलाइन लेन-देन, बैंक खातों और कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। प्रकरण का अनुसंधान दलबीर सिंह, पुलिस निरीक्षक द्वारा किया जा रहा है।

रील में बंदूक दिखाकर जमाई धौंस, 18 साल का युवक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 2 सितंबर। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर खुद को दबंग दिखाने और लोगों में भय पैदा करने की कोशिश अब युवाओं को भारी पड़ रही है। बांसवाड़ा जिला पुलिस की सोशल मीडिया सेल की निगरानी में ऐसा ही मामला सामने आने के बाद कलिंजरा थाना पुलिस ने 18 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया सेल को सूचना मिली थी कि कलिंजरा थाना क्षेत्र के छींच गांव का एक युवक हथियार के साथ वीडियो बनाकर उसे इंस्टाग्राम पर वायरल कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू की। थानाधिकारी तेजुसिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए छींच निवासी कल्पेश (18) पुत्र शंकर चरपोटा को पकड़ लिया।

वीडियो में दिखाई बंदूक की भी हुई जांच

पुलिस आरोपी को थाने लेकर पहुंची और उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड की गई रील की जांच की। वीडियो में युवक जिस बंदूक को लेकर दहशत जमाने की कोशिश करता दिखाई दे रहा था, जांच के दौरान वह एयरगन निकली। पुलिस का कहना है कि भले ही वीडियो में दिखाई दे रहा हथियार एयरगन था, लेकिन सोशल मीडिया पर उसका प्रदर्शन कर दादागिरी दिखाने, अन्य युवाओं को इस तरह की गतिविधियों के लिए प्रेरित करने और आमजन में भय का माहौल बनाने की कोशिश को गंभीरता से लिया गया।

सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर

मामले में पुलिस ने बीएनएसएस की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए कल्पेश को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियारों के साथ वीडियो और रील बनाकर उन्हें वायरल करने वालों पर लगातार नजर रख रही है। पुलिस ने युवाओं को स्पष्ट चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर दहशत या दबदबा कायम करने की कोशिश नहीं करें। इस तरह की गतिविधि सामने आने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में टाइगर का हमला, महिला मजदूर की मौत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 2 सितंबर। जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बुधवार सुबह टाइगर के हमले में एक महिला मजदूर की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 9 बजे हुआ। मृतका की पहचान जमवारामगढ़ के नांगल सुसावतान गांव निवासी सुगना देवी (42) के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार सुगना देवी समेत सात महिलाएं पार्क में घास काटने गई थीं। महिलाएं टाइगर शिवाजी के एन्क्लोजर में घास काट रही थीं। साथी महिलाओं का दावा है कि उस समय टाइगर एन्क्लोजर के अंदर बने पिंजरे में बंद था। महिलाओं के मुताबिक, एन्क्लोजर में घुसने के कुछ सेकंड बाद ही पिंजरे का गेट खुल गया और टाइगर बाहर आ गया। इसके बाद उसने महिलाओं पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से महिलाएं जान बचाकर भागीं। बताया गया कि करीब चार-पांच मिनट तक टाइगर एन्क्लोजर में बाहर रहा और महिलाओं के पीछे दौड़ता रहा।

जाल पर चढ़कर बचने की कोशिश, टाइगर ने नीचे खींचा

सुगना देवी की बड़ी बहन कमला देवी ने बताया कि वे सात महिलाएं सुबह करीब 9 बजे घास काटने के लिए टाइगर शिवाजी के एन्क्लोजर में गई थीं। टाइगर उस समय पिंजरे में था। कुछ सेकंड बाद वह पिंजरे से बाहर आ गया और महिलाओं पर हमला कर दिया। कमला देवी के अनुसार, पांच महिलाएं बाहर की ओर भागीं, जबकि एक महिला पेड़ पर चढ़ गई। सुगना देवी ने भी टाइगर से बचने के लिए एन्क्लोजर के जाल पर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन टाइगर ने उसे नीचे खींच लिया और हमला कर दिया। हमले में उसकी मौत हो गई।

तीन घंटे तक बाड़े में पड़ा रहा शव

हादसे के बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने टाइगर शिवाजी को वापस पिंजरे में बंद कर दिया। हालांकि, बताया गया कि सुगना देवी का शव दोपहर करीब 12 बजे तक एन्क्लोजर के अंदर ही पड़ा रहा। घटना के बाद पार्क में हड़कंप मच गया। साथ गई महिलाओं ने पार्क कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि टाइगर के पिंजरे में बंद होने के बावजूद उन्हें एन्क्लोजर में घास काटने की अनुमति दी गई और इसी दौरान पिंजरे का गेट खुल गया। हादसे को लेकर अब यह सवाल उठ रहा है कि टाइगर के एन्क्लोजर में मजदूर महिलाओं को घास काटने के लिए प्रवेश कैसे दिया गया और पिंजरे का गेट किस परिस्थिति में खुला। घटना की जिम्मेदारी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अस्पताल है या मरीजों का तमाशा? गंभीर घायल महिला से बुरा बर्ताव, प्रिंसिपल बोले—क्यूआर कोड से कर दो शिकायत!!!

पसलियों में फ्रैक्चर के बावजूद इलाज में देरी, व्हीलचेयर तक नहीं मिली, डिजिटल एक्स-रे की रिपोर्ट के लिए भी करना पड़ा इंतजार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 2 सितम्बर। त्वरित उपचार के दावों और सरकारी उपाधियों, पुरस्कारों के झांसे में आकर भूल कर भी ऐसे सरकारी अस्पताल में मत चले जाना जहां पर पछतावे और झिड़कियों के अलावा कुछ ना मिले। क्योंकि कागजों में ही ऐसे अस्पताल तरक्की कर रहे हैं, जमीनी हकीकत बहुत भयावह है। सरकारी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के दावों के बीच जमीनी हकीकत दिल दहला देने वाली है। शहर के सेक्टर-6 स्थित सेटेलाइट अस्पताल में ऐसा ही वाकया आज सामने आया। एक प्रतिष्ठित परिवार की महिला बाथरूम में गिरने से गंभीर रूप से चोटिल हो गई। परिजन उन्हें तत्काल सेटेलाइट अस्पताल सेक्टर 6 लेकर पहुंचे, लेकिन वहां गंभीर मरीज के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता और तत्परता नजर नहीं आई। महिला की हालत ऐसी थी कि वह ठीक से खड़ी तक नहीं हो पा रही थी। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में व्हीलचेयर तक उपलब्ध नहीं थी। बड़ी मुश्किल से एक्स-रे कराया गया तो पसलियों में फ्रैक्चर सामने आया। इसके बावजूद एक्स-रे प्रक्रिया के दौरान तकनीशियन ने महिला के साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया और उन्हें वहां से जाने के लिए कहा।

दो एक्स-रे मशीन, फिर भी रिपोर्ट में देरी

परिजनों के अनुसार अस्पताल में दो एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं और मशीनें डिजिटल होने के बावजूद एक्स-रे तत्काल उपलब्ध कराने के बजाय करीब 30 मिनट का इंतजार करना पड़ा। अस्पताल में इस व्यवस्था को संभालने के लिए महज चार कर्मचारियों का स्टाफ होने की बात सामने आई है। गंभीर रूप से घायल मरीज के इलाज में हुई देरी और कर्मचारियों के व्यवहार से परेशान परिजनों को जब पता चला कि आरएनटी अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ. राहुल जैन उसी परिसर में एक कार्यक्रम में मौजूद हैं, तो उन्होंने उनसे मुलाकात कर पूरे मामले से अवगत कराया।

शिकायत लेने के बजाय बारकोड स्कैन करने की सलाह

हद तो तब हो गई जब परिजनों ने डॉ. राहुल जैन से मामले की लिखित शिकायत लेने का आग्रह किया, लेकिन शिकायत लेने के बजाय उन्हें अस्पताल के बारकोड को स्कैन कर ऑनलाइन शिकायत करने के लिए कह दिया गया। इससे परिजन और अधिक नाराज हो गए। मामला सिर्फ एक मरीज की परेशानी का नहीं था बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है जहां गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचा मरीज तत्काल उपचार और संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद करता है। अगर बार कोड सिस्टम से ही सब चल रह है तो खुद अस्पताल अधीक्षक की भी क्या जरूरत है??? शिकायत तो ओनलाइन वैसे भी की जा सकी हैं। शिकायत करने वाला पैनिक सिचुएशन में हैं और डाक्टर साहब क्यूआर कोड स्कैन करने की बात कर रहे हैं, पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान है। अगर अस्पताल में मौजूद जिम्मेदार अधिकारी के सामने शिकायत रखने के बाद भी पीड़ित की बात दर्ज नहीं की जाती, तो फिर मरीज अपनी समस्या लेकर आखिर किसके पास जाए? अब इस मामले में जिला कलेक्टर से शिकायत की गई है।

सवालों के घेरे में अस्पताल की व्यवस्था पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं' क्या गंभीर मरीज के साथ अस्पताल में ऐसा व्यवहार स्वीकार्य है? व्हीलचेयर जैसी बुनियादी सुविधा के लिए सेटेलाइट अस्पताल में मरीज को क्यों परेशान होना पड़े? दो डिजिटल एक्स-रे मशीनें होने के बावजूद रिपोर्ट में 30 मिनट की देरी क्यों? महिला मरीज के साथ बुरे बर्ताव पर कार्रवाई कौन करेगा? और सबसे बड़ा सवाल'अगर यही स्थिति अस्पताल के किसी अधिकारी के अपने परिजन के साथ होती, तो क्या तब भी शिकायत को ऑनलाइन बारकोड तक सीमित कर दिया जाता? सरकार सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपए खर्च कर आधुनिक उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करती है, लेकिन उपकरणों के साथ पर्याप्त स्टाफ, संवेदनशील व्यवहार और जवाबदेही नहीं होगी तो ये सुविधाएं मरीज के लिए कितनी कारगर साबित होंगी, यह घटना उसका आईना दिखाती है।

7 हजार पार पहुंचा जिंक सिटी हाफ मैराथन का रजिस्ट्रेशन, लॉन्च हुआ खास 'जिंक फिनिशर मेडल'

सितंबर को उदयपुर में दौड़ेंगे देश-विदेश के धावक, 3.5 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने उदयपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के तीसरे संस्करण की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस अवसर पर कंपनी ने विशेष रूप से तैयार किया गया जिंक फिनिशर मेडल भी लॉन्च किया। 6 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली इस एआईएमएस प्रमाणित मैराथन के लिए अब तक 7 हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं और यह क्रम अभी तक लगातार जारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इस वर्ष मैराथन की विभिन्न प्रतिस्पर्धी श्रेणियों में 3.5 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके साथ ही दौड़ पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को विशेष रूप से डिजाइन किया गया जिंक फिनिशर मेडल प्रदान किया जाएगा। मैराथन के फिनिशर मेडल की पहचान हमेशा से जिंक सिटी उदयपुर और क्षेत्र की समृद्ध खनन विरासत से जुड़ी रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026 का जिंक फिनिशर मेडल हिंदुस्तान जिंक की माइंस और स्मेल्टर्स से प्रेरित है। यह मेडल धावकों के धैर्य, समर्पण और दृढ़ता का प्रतीक होने के साथ-साथ उन्हें जिंक सिटी की एक विशेष याद भी देगा। मैराथन में तीन श्रेणियां 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर कूल रन और 5 किलोमीटर ड्रीम रन एवं चैंपियन रन शामिल हैं। इन श्रेणियों में पेशेवर और शौकिया धावकों के साथ कॉर्पोरेट टीमें, फिटनेस समुदाय, परिवार और पहली बार भाग लेने वाले प्रतिभागी भी शामिल होंगे। पिछले वर्ष आयोजित दूसरे संस्करण में 27 राज्यों और कई देशों से करीब 7,000 धावकों ने भाग लिया था। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के उदयपुर पहुंचने की उम्मीद है। उदयपुर की झीलें, अरावली पर्वतमाला और ऐतिहासिक धरोहर इस मैराथन को विशेष बनाती हैं। फतेहसागर झील के आसपास का आकर्षक रूट प्रतिभागियों को दौड़ के साथ-साथ उदयपुर की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक सुंदरता का अनुभव भी कराता है। यही वजह है कि वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को देश की सबसे खूबसूरत मैराथनों में गिना जाता है। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि, वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन ने भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यह आयोजन उदयपुर की प्राकृतिक सुंदरता को हजारों धावकों के उत्साह और ऊर्जा से जोड़ता है। फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह मैराथन खेल एवं वेलनेस टूरिज्म को प्रोत्साहित कर रही है, स्थानीय होटल और सेवा क्षेत्र को लाभ पहुंचा रही है तथा जिंक सिटी उदयपुर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला रही है। मैराथन इस वर्ष भी अपने सामाजिक संदेश रन फॉर जीरो हंगर को आगे बढ़ाएगी। खेलों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह पहल लोगों को कुपोषण को रोकने हेतु सकारात्मक संदेश दे रही है। मैराथन से पहले उदयपुर, जयपुर, उत्तराखंड तथा हिंदुस्तान जिंक की विभिन्न इकाइयों में आयोजित प्रोमो रन और सामुदायिक गतिविधियों में 3 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसमें कर्मचारियों, रनिंग कम्यूनिटी और फिटनेस प्रेमियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रतिभागियों के लिए बिब एक्सपो का आयोजन फील्ड क्लब, जिंक सिटी उदयपुर में किया जाएगा। यह 4 सितंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक तथा 5 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित होगा। यहां पंजीकृत प्रतिभागी अपने रेस बिब प्राप्त करेंगे और रेस से संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण कर सकेंगे। एनीबडी कैन रन के सहयोग से आयोजित यह मैराथन हिंदुस्तान जिंक की सक्रिय जीवनशैली, खेल संस्कृति और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने की व्यापक पहल का हिस्सा है। कंपनी जिंक फुटबॉल अकादमी और अन्य सामुदायिक खेल कार्यक्रमों के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

नवागंतुक विद्यार्थियों को समझाई मतदान प्रक्रिया, जागरूकता रैली निकालकर दिया मतदाता सहभागिता का संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 2 सितंबर। विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में मतदाता साक्षरता क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया, मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज राजगुरु ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को मतदान की प्रक्रिया से परिचित कराने के साथ उन्हें अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित करना रहा। शुरुआत में डॉ. समीर व्यास ने प्रतिनिधि प्रजातंत्र में चुनाव और मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत में मतदान व्यवस्था के ऐतिहासिक विकास की जानकारी देते हुए बताया कि समय के साथ मतदान प्रणाली ने देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्लब के मेंटर डॉ. रतन सुथार ने मतदाता पंजीकरण से लेकर मतदान की गोपनीयता तथा मतदान प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को मतदान के अधिकार और उसकी जिम्मेदारी के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज राजगुरु ने विद्यार्थियों से अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मतदान दूत की भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने आसपास के नागरिकों को मतदाता पंजीकरण और मतदान प्रक्रिया की जानकारी देकर जागरूकता फैलाएं। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रपत्र 6 की ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डॉ. रतन सुथार ने विद्यार्थियों को अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई। वहीं ज्योतिर्मय सोनी को मतदाता साक्षरता क्लब का नया परिसर दूत नियुक्त किया गया। समापन अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना जैन ने आभार व्यक्त किया। इसके बाद द्वितीय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति कंठालिया के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने मतदान जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से आमजन को मतदान के प्रति जागरूक रहने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना जैन, डॉ. रतन सुथार, डॉ. समीर व्यास, डॉ. विकास बया, डॉ. नीलू तिवारी सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से डॉ. मनोज राजगुरु ने दी।

इस्कॉन मंदिर में तीन दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव 3 सितम्बर से, 4 को रात सवा 12 बजे होगी महाआरती

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 2 सितम्बर। गंगूकुंड स्थित इस्कॉन जगन्नाथ मंदिर में तीन दिवसीय विशाल जन्माष्टमी महोत्सव का आगाज 3 सितम्बर से होगा। मुख्य महोत्सव 4 सितम्बर को प्रातः मंगला आरती से शुरू होकर देर रात सवा 12 बजे महाआरती तक चलेगा। जन्माष्टमी के दिन भक्तों के लिए मंदिर में दर्शन दिनभर खुले रहेंगे। इस अवसर पर दर्शनार्थियों को सात्विक फलाहारी प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर अध्यक्ष मायापुर वासी प्रभु ने बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 4 सितम्बर को शाम 6 बजे से पुणे से आए श्यामानंद गौर प्रभु के सान्निध्य में हरिनाम संकीर्तन, भजन एवं कथा का आयोजन होगा। इसके बाद इस्कॉन के बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। अजय गौरांग प्रभु ने बताया कि रात 8.30 बजे राधा-कृष्ण को शोभायात्रा के साथ मुख्य मंच पर विराजमान किया जाएगा। आरती के बाद ब्रह्मचारी वैष्णवों एवं गणमान्यजनों के करकमलों से गंगाजल, पंचामृत एवं नारियल जल से भगवान का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सुगंधित पुष्पों से पुष्पाभिषेक होगा। प्रमुख वैष्णव मायापुर धाम प्रभु ने बताया कि तीनों दिन पुणे से आए श्यामानंद गौर प्रभु के श्रीमुख से भक्तों को कथा श्रवण का लाभ मिलेगा। महोत्सव में भक्तों के हाथों से तैयार किए गए करीब 10 हजार प्रकार के शुद्ध व्यंजनों का छप्पन भोग भगवान को अर्पित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन एक विशेष कीर्तिमान बनेगा। मधुलीला प्रभु ने बताया कि 3 सितम्बर को शाम अधिवास कार्यक्रम के तहत मंदिर परिसर की विशेष साफ-सफाई एवं तैयारियां की जाएंगी। वहीं दीपक प्रभु के अनुसार 5 सितम्बर को सुबह 9 बजे से नन्दोत्सव आयोजित होगा। इसके साथ ही इस्कॉन संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद की व्यास पूजा, कथा, अभिषेक एवं आरती के आयोजन होंगे। मीडिया प्रभारी डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर मंदिर को अंदर और बाहर रंग-बिरंगी फूलमालाओं, बंदनवार एवं आकर्षक रोशनी से सजाया जा रहा है। पुरुषों एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था रहेगी। दर्शनार्थियों के आने-जाने का मार्ग तथा कार पार्किंग की व्यवस्था सत्यम गार्डन, आयड़ रोड एवं यूनिवर्सिटी रोड की ओर रहेगी। उन्होंने भक्तों से अपील की कि वे अपने साथ कोई कीमती सामान लेकर न आएं और न ही कीमती आभूषण पहनकर आएं। जूते-चप्पल यथासंभव अपने वाहनों में ही खोलकर आने का आग्रह किया गया है। मायापुर वासी प्रभु ने बताया कि महोत्सव को भव्य एवं व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए करीब 300 सेवक विभिन्न समितियों के माध्यम से दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं।

पाप को छिपाओ नहीं, स्वीकार कर आत्मा को शल्यरहित बनाओ : आचार्य प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 2 सितम्बर। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ के मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन में आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज, मुनिराज नीतिप्रभ विजयजी महाराज एवं साध्वी श्रुतवर्धना श्रीजी महाराज आदि ठाणा की पावन निश्रा में 45 दिवसीय सिद्धि तप आराधना श्रद्धा एवं भक्ति के साथ जारी है। प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं सहभागी बनकर धर्मलाभ ले रहे हैं। श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज ने कहा कि पाप के स्वीकार में बालक बनो। इंसान मात्र भूल का पात्र है। जीवन में जाने-अनजाने कई भूलें हो जाती हैं, लेकिन भूल हो जाने के बाद उनका हृदय से स्वीकार करना आवश्यक है। जो व्यक्ति अपनी भूलों को स्वीकार नहीं करता, उस आत्मा की शुद्धि संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि भूलों की शुद्धि के लिए बालक जैसा सरल हृदय होना चाहिए। बालक का हृदय दर्पण की तरह स्वच्छ होता है और उसे माया-कपट करना नहीं आता। जिस रूप में उससे भूल होती है, वह उसे सहजता से स्वीकार कर लेता है। इसलिए आलोचना एवं प्रायश्चित करते समय साधक को भी बालक के समान सरल बनना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि पांव में कांटा लग जाए तो व्यक्ति तत्काल उसे निकालने का प्रयास करता है, क्योंकि कांटा भीतर रह जाए तो भविष्य में गंभीर पीड़ा दे सकता है। इसी प्रकार जीवन में पाप हो जाने के बाद उसे छिपाना आत्मा का शल्य है। इस शल्य को समय रहते बाहर निकालना अत्यंत आवश्यक है। यदि आत्मा के इस शल्य को समय रहते दूर नहीं किया गया तो भविष्य में आत्मा की स्थिति अत्यंत गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि देह का शल्य कुछ समय के लिए नुकसान पहुंचाता है, जबकि आत्मा का शल्य अनेक भवों तक आत्मा को परेशान करता है। इसलिए साधक आत्मा को शल्ययुक्त होकर एक क्षण भी नहीं रहना चाहिए। लक्ष्मणा साध्वी आदि के प्रसंगों से सीख लेते हुए आत्मशुद्धि के लिए एक क्षण भी प्रमाद नहीं करना चाहिए। धर्मसभा में श्रीसंघ के डॉ. शैलेन्द्र हिरण, कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, राजकुमार बापना, नरेंद्र सिंघवी, भोपाल सिंह सिंघवी, मनीष दोशी, अभिषेक हुमड़, अशोक सेठ, प्रकाश गांधी, राकेश चेलावत, अशोक जैन, राजेंद्र कोठारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।